मेरे अंगना में इक बार आ सांवरिया नंद नंदना

सांवरिया नंद नंदना

मेरे अंगना में इक बार आ, सांवरिया नंद नंदना।
मोहे कृष्णा दरस दिखा, सांवरिया नंद नंदना।।

कारी कमरिया ला दूंगी मैं।
मोर मुकट मंगवा दूंगी मैं।
पीला पटका दूंगी रंगवा।
सांवरिया.....

ला दूंगी हरे बांस की पोरी।
ला दूंगी नुपुर की जोड़ी।।
मेरे अंगना में (ठुमका) रास रचा।
सांवरिया.....

मेरे घर कोई कमी नहीं है।
माखन मिशरी दूध दही है।
पेड़े बरफी दूंगी मंगवा।
सांवरिया.....

राधा को संग लेते आनां।
मैं नाचूं तुम मुरली बजाना।।
मेरा मन "मधुप" दे रिझा।
सांवरिया..... ।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33201/title/mere-angna-me-ik-baar-aa-sanwariya-nand-nandna

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |